

Editorial Board - Innovation : The Research Concept
April-2017
Executive Board

PATRON

Dr. M.D. Pathak
 Chairman, Centre for Research &
 Development of Waste & Marginal Land
Ex. Director General, U.P. Council of
 Agriculture Research, U.P.
Ex. Director, Research and Training,
 International Rice Research Institute,
 Manila, Philipines
 pathakmd1@gmail.com

EDITOR-IN -CHIEF

Dr. Asha Tripathi
Senior Vice-President,
 Social Research Foundation,
 Kanpur
 asha23346@gmail.com

EDITOR

Smt. Deepti Mishra
 Treasurer,
 S. R. F., Kanpur
 innovation.srf@gmail.com

MANAGING EDITOR

Dr. Rajeev Mishra
 Secretary,
 S. R. F., Kanpur
 indra.rajeev@gmail.com

EDITORIAL-ADVISORY BOARD**Library Science**

Dr. U. C. Shukla
 Fiji National University,
 Lautoka, Fiji

**Political Science and International
Relation**

Professor Vandana Asthana
 Eastern Washington University,
 Cheney, WA

Anthropology

Dr. K. Bharathi
 Arba Minch University,
 Arba Minch, Ethiopia,
 North Africa

Biotechnology

Dr. Aditya Singh Parihar
 Dayanand Academy of
 Management Studies,
 Govind Nagar, Kanpur
Dr. Shivi Bhasin
 Vagdevi Bhawan, Vikram
 University, Ujjain, M.P.

Sociology

Dr. Anju
 Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur
 University, Gorakhpur
Dr. Lala Ram Meena
 Govt. Arts College, Dausa, Rajasthan

Commerce

Dr. Yayati Nayak
 Ravenshaw University,
 Cuttack
Dr. C. D. Suntha
 Govt. Degree College, Ganai
 Gangoli, Pithoragarh, Uttarakhand

Applied Science

Dr. Neha Wadhwa
 Amritsar College of Engineering
 and Technology, Amritsar,
 Punjab

Hindi

Manjula Sharma
 T.D.B. College, Raniganj, W.B.
Dr. A. K. Upadhyay
 Govt. P.G. College, Morena

History

Dr. Surendra D. Soni
 Govt. Lohia P.G. College,
 Churu, Rajasthan
R. S. Gurna
 A.S. College, Khanna
 (Punjab)

English

Dr. Seema Sharma
 University of Bikaner, Rajasthan
Dr. Shruti Das
 Berhampur University, Odisha

सम्पादकीय.....

सुधी पाठको,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव-निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते- यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। लगभग 40 से 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे हैं तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

(श्रीमती दीप्ति मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा० राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।

संपादक : श्रीमती दीप्ति मिश्रा, Mobile No. 9335332333, 9839074762

Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, **website:** www.socialresearchfoundation.com